1682 1682

ॐ

विक्रय पत्र

52000/-रू0 ।। स्टाम्प 6500/-रू0 ।।

हम कि संजय कुमार अग्रवाल व मनोज कुमार अग्रवाल पुत्रगण श्री मदन लाल निवासीगण शहीद भगत सिंह मार्ग, रेलवे रोड कस्वा दादरी जिला गाजियावाद विक्रेतागण ।। एवमं ।। श्री वेदप्रकाश गर्ग पुत्र श्री श्याम लाल गर्ग निवासी मौ0 जारचा रोड कस्वा दादरी जिला गाजियावाद क्रेता के हैं।।

जो फरीक अव्वल विक्रेता निम्नलिखित अचल सम्पत्ति का पूर्ण स्वामी हूं जो आज दिन तक फरीक अव्वल
विक्रता की ओर से प्रत्येक प्रकार के कर्जे सरकारी व गैर सरकारी आदि से मुक्त है किसी अन्य स्थान पर आड, रहन,
बय, हिवब, माहदा, बैंक लोन सीलिंग व जमानत आदि से ग्रस्त नही है किसी प्रकार के पट्टे आदि की भूमि नही हैं। जिन
यानि हर प्रकार से पाक साफ हैं जिसमें फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई भागीदार किसी किस्म का नही है
को विक्रय करने की बाबत फरीक अव्वल को पूर्ण अधिकार प्राप्त है और जो फरीक अव्वल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि
व स्थिर चित्त दशा में खूब सोच समझकर बिना किसी दबाव या बहकाव के आज की बाजार कीमत के बदले अंकन
52000/-रू0 आधे 26000/-रू0 रु० होते हैं में वाहक फरीक दोयम विक्रेता उक्त को बेच दी
तथा बय कतई कर दी। विक्रेता फरीक अव्वल ने सम्पूर्ण विक्रय धनराशि निम्नलिखित अनुसार प्राप्त कर लीं हैं अब
फरीक अव्वल ने विक्रित भूमि पर कब्जा फरीक दोयम का पूर्ण रुप से करा दिया है। अब फरीक अव्वल तथा उत्तराधि-
कारियों तथा स्थानापन्नो का बिक्रय सम्पत्ति से कोई वास्ता किसी किस्म का बकाया नही रहा हैं तथा नाही भविष्य में
होगा। यदि फरीक अव्वल के स्वत्व या अधिर के अभाव के कारण यदि किसी भागीदार के उत्पन्न होने के कारण या
यदि कर्जें आदि के कारण यदि विक्रित सम्पत्ति का कोई अंश कब्जे फरीक दोयम क्रेता से निकल जाता है तो हर ऐसी
दशा में फरीक दोयम को पूर्ण हक होगा कि वह अपना दिया हुआ कुल विक्रित धन मय सूद कानूनी व्याज सहित फरीक
अव्वल को वह सम्पत्ति चल व अचल से चाहे जिस प्रकार वसूल कर ले उसमें फरीक अव्वल को व वारसान को कोई
एतराज नही होगा।

अतः यह **बिक्री पत्र** लिख दिया कि प्रमाणरहे और वक्त पर काम आवे इति ।।

बिक्री अदावगी जरे समन कुल अदायगी अकंन 52000/-रू0 जिसमे से अकंन 37 000/-रू0 पेशगी तथा मु0 15,000/-रू0 नकद समक्ष श्री मान सब रजि0 महोदय दादरी के प्राप्त किये ।।

विवरण सम्पत्ति जो विक्रय की गई है स्थित
मौ0 नई आवादी कस्वा दादरी जिला गाजियावाद –

Sanjay Manoj

1000 रु.

सत्यमेव जयते

भारत

Rs 1000

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

2-

मे एक किता आवासीय प्लाट जिसकी नाप पूरब से पश्चिम 6 गज व उत्तर से दक्षिण 16 गज जिसका कुल क्षेत्रफल 96 वर्ग गज यानि की 80.26 वर्ग मीटर

Manoj

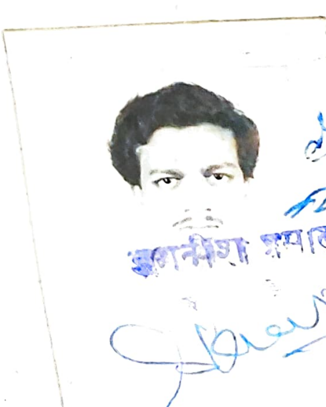

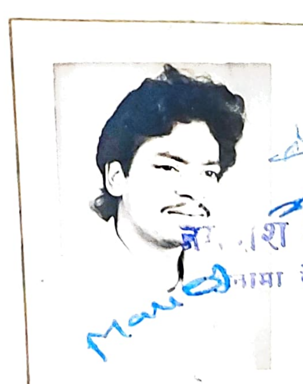

1000Rs.

3-

सम्वन्धित खासरा न0 719 मे दर्ज है। जो कि बैनामा हाजा मे वास्ते आवादी करने हेतू वेचा गया है। विक्रितप्लाट को हम विक्रेतागणा ने वजरिये बैनामा

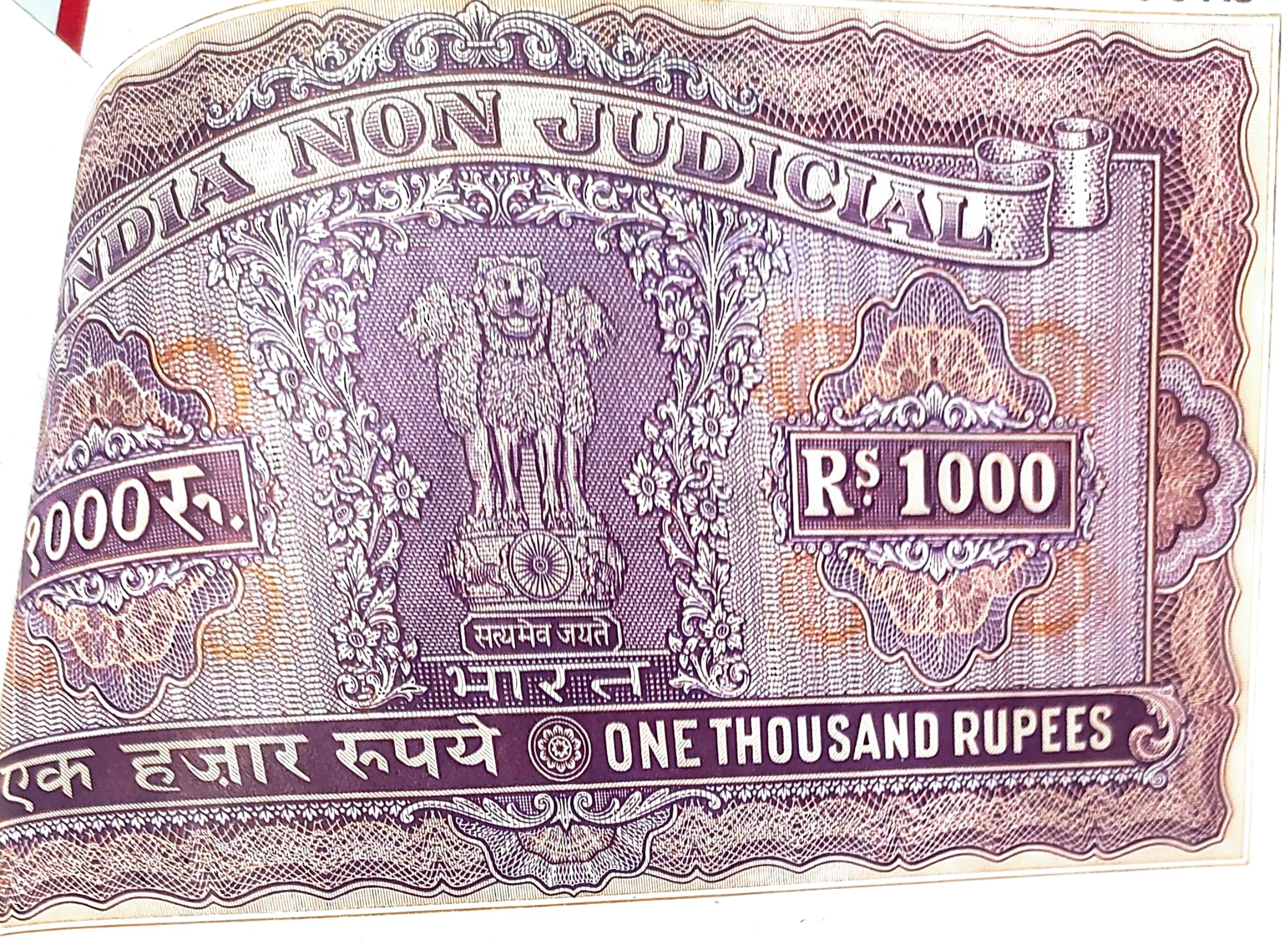

4-

से खरीद किया था ।

दिनाक 21-5-93 ई0 को श्री मती नीलम रानी

जिसकी रजि0 वही न0 1 जिल्द 901/972 के पृष्ट 250/134-137 मे द0 न0

1000Rs.

5-

1936 पर आज दिनांक 21-5-93 ई0 को सब रजि0 कार्यालय दादरी मे दर्ज है।

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

विक्रित प्लाट का सर्किल रेट 600/-रू0 प्रतिवर्ग मीटर है। विक्रित प्लाट का

7–

पूर्व मे कोई इकरारनामा माहिदा बय नही हुआ है। विक्रितप्लाट जी0टी0 रोड

8-

से करीब एककि0 मी0 की दूरी पर है। चतुर सीमा पूरब- प्लाट रामचन्दर, पश्चिम- प्लाट नीलम रानी, उत्तर- प्लाट बलदेव राज, दक्षिण- रास्ता आम, ।।

गवाह- [illegible]
पुत्र श्री [illegible]

गवाह- प्रमोद कुमार
पुत्र श्री [illegible]

तारीख 15-5-95 ई0 मसौदा लेखक व फोटो सत्यापन कर्ता-
जगदीश प्रसाद गोयल
बैनामा लेखक बावल

क्र० 7 तारीख 12/5/95 रु० 500/-

[illegible] क० .... में किया

अशोक कुमार स्टाम्प विक्रेता

ला. न. 9 [illegible]

263/266